एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा

(सम्बद्ध बी.एन. मंडल यूनिवर्सिटी, मधेपुरा, बिहार)

****

ऑनलाइन शिक्षण

****

प्रस्तुति : डॉ रिपुंजय कुमार सिंह (हिंदी विभाग,एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा)

****

Scanned by CamScanner

अध्ययन व विश्लेषण शिक्षण

भाग-8

****

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष

****

पंचम पत्र - 'नाट्य साहित्य'

****

Scanned by CamScanner

जयशंकर प्रसाद- 'अजातशत्रु'

(अध्ययन व विश्लेषण भाग -7 का शेष...)

जयशंकर प्रसाद के नाटकों में ऐतिहासिकता का बहुत महत्त्व है. इनके नाटकों के पात्र ऐतिहासिक होने के बावजूद जीवंत हैं, पात्रगत वैविध्य है.

'अजातशत्रु' नाटक के पात्रों का परिचय इस प्रकार है :

Scanned by CamScanner

पात्र-परिचय

****

बिम्बिसार : मगध का सम्राट्

अजातशत्रु (कुणीक) : मगध का राजकुमार

उदयन : कौशाम्बी का राजा, मगध सम्राट् का जामाता

Scanned by CamScanner

प्रसेनजित् : कोसल का राजा

विरुद्धक (शैलेन्द्र) : कोसल का राजकुमार

गौतम : बुद्धदेव

सारिपुत्र : सद्धर्म के आचार्य

आनन्द : गौतम के शिष्य

देवदत्त (भिक्षु) : गौतम बुद्ध का प्रतिद्वन्द्वी

Scanned by CamScanner

समुद्रदत्त : देवदत्त का शिष्य

जीवक : मगध का राजवैद्य

वसन्तक : उदयन का विदूषक

बन्धुल : कोसल का सेनापति

सुदत्त : कोसल का कोषाध्यक्ष

दीर्घकारायण : सेनापति बन्धुल का भांजा, सहकारी सेनापति

Scanned by CamScanner

लुब्धक : शिकारी

(काशी का दण्डनायक, अमात्य, दूत, दौवारिक और अनुचरगण)

वासवी : मगध-सम्राट् की बड़ी रानी

छलना : मगध-सम्राट् की छोटी रानी और राजमाता

पद्मावती : मगध की राजकुमारी

मागन्धी (श्यामा) : आम्रपाली

Scanned by CamScanner

वासवदत्ता : उज्जयिनी की राजकुमारी

शक्तिमती (महामाया) : शाक्यकुमारी, कोसल की रानी

मल्लिका : सेनापति बन्धुल की पत्नी

बाजिरा : कोसल की राजकुमारी

नवीना : सेविका

(विजया, सरला, कंचुकी, दासी, नर्त्तकी इत्यादि)

Scanned by CamScanner